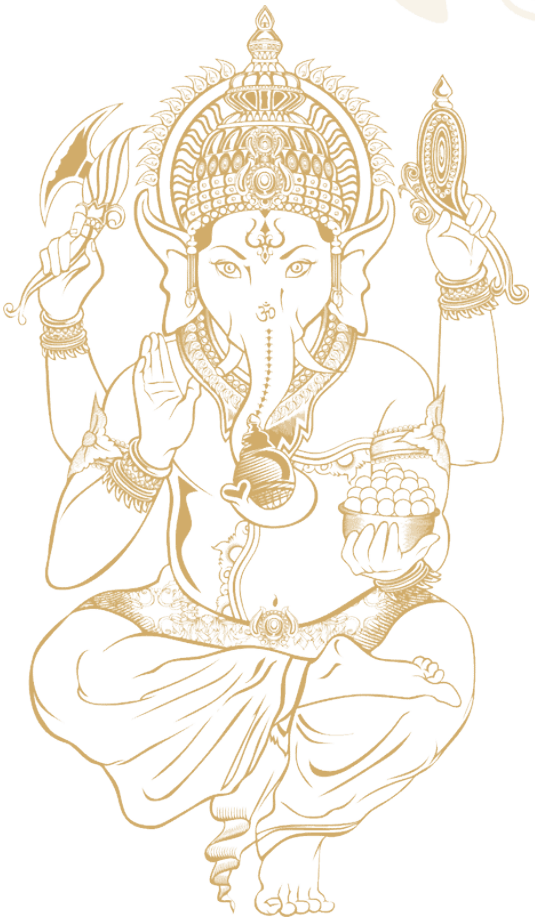

Rakhi

22 Aug 2002

08:15 AM

Jaipur Rly Station

Model: web-freekundliweb

Order No: 121097202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/08/2002**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**08:15:00 घंटे**
इष्ट	05:33:44 घटी
स्थान	**Jaipur Rly Station**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:54:00 उत्तर
रेखांश	75:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:48:12 घंटे
वेलान्तर	-00:02:58 घंटे
साम्पातिक काल	05:49:11 घंटे
सूर्योदय	06:01:30 घंटे
सूर्यास्त	18:57:28 घंटे
दिनमान	12:55:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	04:57:55 सिंह
लग्न के अंश	03:41:24 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शोभन
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:41:24	322:28:15	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			सिंह	04:57:55	00:57:47	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	25:37:53	12:22:32	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	01:20:26	00:38:12	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			कन्या	00:09:42	01:19:13	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	उच्च राशि
गुरु			कर्क	10:32:51	00:12:44	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	20:56:33	00:57:46	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि			मिथु	02:58:57	00:04:58	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	21:07:50	00:11:33	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	21:07:50	00:11:33	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	02:52:58	00:02:23	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	15:09:41	00:01:31	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:00:58	00:00:08	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	03:37:28	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:23

लग्न-चलित

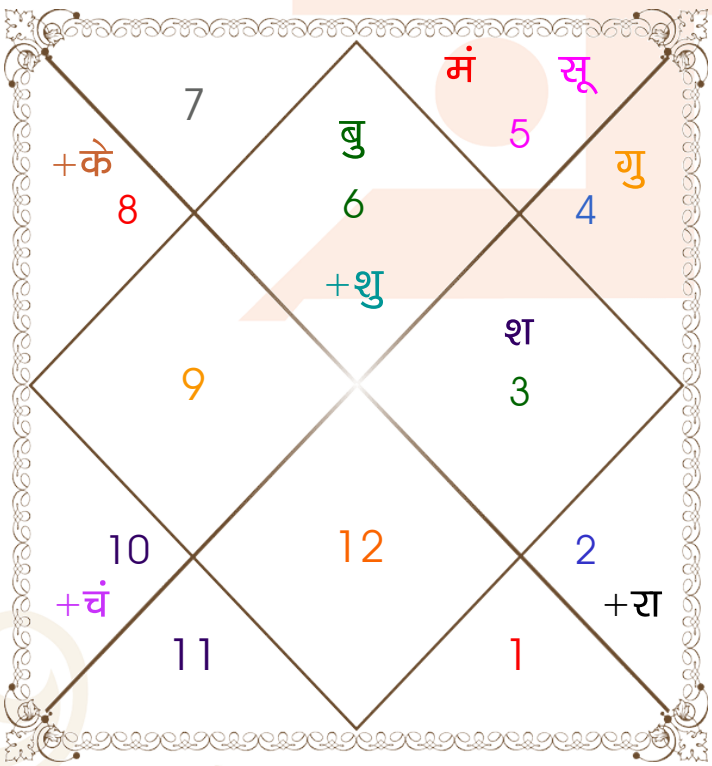

चन्द्र कुंडली

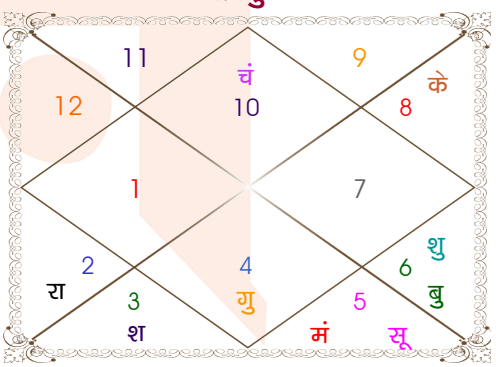

नवमांश कुंडली

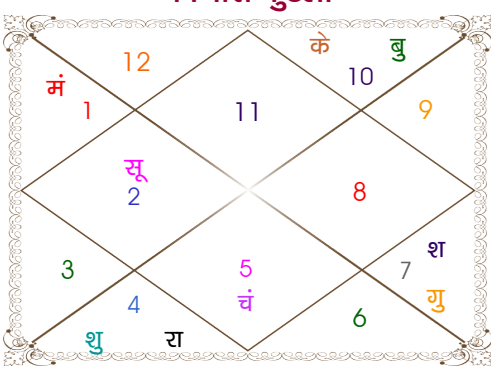

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 9 मास 15 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/08/2002		07/06/2008		07/06/2026		07/06/2042		07/06/2061	
07/06/2008		07/06/2026		07/06/2042		07/06/2061		07/06/2078	
	22/08/2002	राहु	18/02/2011	गुरु	26/07/2028	शनि	10/06/2045	बुध	04/11/2063
राहु	22/11/2002	गुरु	14/07/2013	शनि	06/02/2031	बुध	18/02/2048	केतु	31/10/2064
गुरु	29/10/2003	शनि	20/05/2016	बुध	14/05/2033	केतु	29/03/2049	शुक्र	01/09/2067
शनि	07/12/2004	बुध	07/12/2018	केतु	20/04/2034	शुक्र	29/05/2052	सूर्य	07/07/2068
बुध	04/12/2005	केतु	26/12/2019	शुक्र	19/12/2036	सूर्य	11/05/2053	चंद्र	07/12/2069
केतु	02/05/2006	शुक्र	25/12/2022	सूर्य	07/10/2037	चंद्र	10/12/2054	मंगल	04/12/2070
शुक्र	02/07/2007	सूर्य	19/11/2023	चंद्र	06/02/2039	मंगल	19/01/2056	राहु	22/06/2073
सूर्य	07/11/2007	चंद्र	20/05/2025	मंगल	13/01/2040	राहु	25/11/2058	गुरु	28/09/2075
चंद्र	07/06/2008	मंगल	07/06/2026	राहु	07/06/2042	गुरु	07/06/2061	शनि	07/06/2078

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
07/06/2078		07/06/2085		08/06/2105		09/06/2111		08/06/2121	
07/06/2085		08/06/2105		09/06/2111		08/06/2121		00/00/0000	
केतु	04/11/2078	शुक्र	07/10/2088	सूर्य	26/09/2105	चंद्र	08/04/2112	मंगल	04/11/2121
शुक्र	04/01/2080	सूर्य	07/10/2089	चंद्र	27/03/2106	मंगल	07/11/2112	राहु	23/08/2122
सूर्य	11/05/2080	चंद्र	08/06/2091	मंगल	02/08/2106	राहु	09/05/2114		00/00/0000
चंद्र	10/12/2080	मंगल	07/08/2092	राहु	27/06/2107	गुरु	08/09/2115		00/00/0000
मंगल	08/05/2081	राहु	08/08/2095	गुरु	14/04/2108	शनि	08/04/2117		00/00/0000
राहु	26/05/2082	गुरु	08/04/2098	शनि	27/03/2109	बुध	08/09/2118		00/00/0000
गुरु	02/05/2083	शनि	08/06/2101	बुध	01/02/2110	केतु	09/04/2119		00/00/0000
शनि	10/06/2084	बुध	08/04/2104	केतु	08/06/2110	शुक्र	08/12/2120		00/00/0000
बुध	07/06/2085	केतु	08/06/2105	शुक्र	09/06/2111	सूर्य	08/06/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 9 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना,

अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।